



**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771  
86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivaling, Nandi etc. **ART-CLE WORLD, S-29E, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

**विहिप की चार दिवसीय केंद्रीय बैठक आज से**

**जोधपुर ( हि.स.)**। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की केंद्रीय प्रबंध समिति की चार दिवसीय बैठक शुक्रवार, 26 जुलाई से जोधपुर में शुरू होगी। बैठक में विहिप के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। विहिप की स्थापना के बाद केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक जोधपुर में पहली बार आयोजित हो रही है। विहिप के प्रांत मंत्री परमेश्वर जोशी ने बताया कि बैठक शुक्रवार, 26 जुलाई से रातानाडा स्थित माहेश्वरी जनोपयोगी भवन में शुरू होगी। बैठक में विहिप केंद्रीय प्रबंध समिति, अंतर्राष्ट्रीय विभाग सहित देश के 44 प्रांतों और 16 देशों के विहिप संगठनों के पदाधिकारी-प्रतिनिधि भाग लेंगे।

# मालदा-मुर्शिदाबाद को मिलाकर बनाएं जालौन में बढ़ रहीं हैं लव जिहाद की घटनाएं

## केंद्र शासित प्रदेश : निशिकांत दुबे

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजुमदार के उतर बंगाल के उतर पूर्वी राज्यों में शामिल करने की मांग पर चर्चासम मचा हुआ है। अभी इस पर उठा विवाद थमा भी नहीं था कि झारखंड के गोड्डा से भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने पश्चिम बंगाल के दो जिलों को मिलाकर अलग केंद्रशासित प्रदेश गठन करने की मांग कर डाली। उन्होंने लोकसभा में केंद्र से मांग की कि हिंदुओं के गांव खाली हो रहे हैं। यह गंभीर मामला है। मैं यह बात ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूँ, अगर मेरी बात गलत है तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूँ। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। किशनगंज, अररिया, कटिहार, मालदा, मुर्शिदाबाद और दोनों संथाल

परगना को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए, नहीं तो हिंदू गायब हो जाएंगे और एनआरसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई को दिए आदेश में कहा था कि मुस्लिम आबादी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और राज्य सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कुछ नहीं तो सदन की एक समिति वहां भेजें और विधि आयोग की 2010 की रिपोर्ट लागू करें जिसमें धर्म परिवर्तन और शादी के लिए अनुमति जरूरी बताई गई है। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की आबादी बहुत तेजी से घट रही है, क्योंकि बांग्लादेश से मुसलमान आकर बस रहे हैं। उन्होंने कहा कि

बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद से अवैध घुसपैटीएं आ रहे हैं। लोकसभा में निशिकांत दुबे ने कहा कि वह झारखंड के जिस संथाल परगना क्षेत्र से से आते थे। वह संथाल परगना पहले बिहार में था और अब झारखंड का हिस्सा बना तो उस समय साल 2000 में संथाल परगना में आदिवासियों की जनसंख्या 36 फीसदी थी। आज उनकी आबादी 26 प्रतिशत है। 10 प्रतिशत आदिवासी कहां गायब हो गए? दुबे ने कहा कि झारखंड की सत्तारूढ़ सरकार इस अवैध बस्ती को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी राज्य सरकार जेएमएफ और कांग्रेस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हमारे राज्य में बांग्लादेश से घुसपैठ बढ़ रही है।

कोतवाली क्षेत्र का है, यहां पर बीते डेढ़ माह में पांच लड़कियों को एक विशेष संप्रदाय के युवक भगा ले गए। इसके बाद हिंदू संगठनों ने इस पर आपत्ति जताते हुए पूर्व में मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इसे लेकर हिंदू संगठनों में आक्रोश देखा जा रहा है। इसी को देखते हुए पुलिस ने लड़कियों की सकुशल बरामदगी के लिए चार टीमों का गठन किया है।

**INFORMATION WANTED**



PARTICULARS OF ABSCONDING PERSON		
POLICE STATION & DISTRICT	CID PS, ULUBARI, GUWAHTI KAMRUP (M) :	REMARKS
CASE REF. & SEC OF LAWS	CID PS CASE NO. 29/2013 U/S 420/406/468/471/506 IPC	
NAME & ADDRESS OF THE ABSCONDING PERSON	SRI RAJESH GUHA S/O : KAMLESH GUHA, CKV ROAD, SRIPURIA, PS- TINSUKIA, DIST.-TINSUKIA, ASSAM.	
AGE	04/02/1982 (AS PER PAN CARD)	
HEIGHT COMPLEXION BUILT	NOT KNOWN NOT KNOWN NOT KNOWN	
LANGUAGE KNOWN	ASSAMESE, HINDI, ENGLISH, BENGALI	

IF ANY INFORMATION REGARDING THE ABSCONDING PERSON IS AVAILABLE. PLEASE CONTACT WITH THE FOLLOWING ADDRESS OR NEAREST POLICE STATION. INFORMERS WILL BE SUITABLY REWARDED.

- CID OFFICER CONTROL ROOM : 0361-2529782
- INVESTIGATION OFFICER : 7896665995
- NEAREST POLICE STATION : PALTAN BAZAR, GUWAHATI, KAMRUP (M), ASSAM.

The Superintendent of Police CID, Assam, Ulubari, Guwahati.

**-- Janasanyog /D/2984/24/26-Jul-24**

## बिजली का तार टूटकर मकान पर गिरा, मां-बेटी की मौत

**कोटा (हिंस.)**। रामगंजमंडी के देवली गांव में बारिश के कारण बिजली का तार टूटकर मकान पर गिर गया। मकान में करंट फैलने से मां बेटी की मौत हो गई। सुबह लोगों को दोनों के शव सीढ़ियों में पड़े मिले। सूचना पर पुलिस, प्रशासन और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। चेवट एसएचओ मनसीराम बिश्नोई ने बताया कि देवली गांव में एक मकान की दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य चल रहा था। मकान के पास ही बिजली पोल लगा हुआ है। देर रात को तेज बारिश हुई। इस बीच पोल का तार टूटकर मकान पर गिर गया। इसके कारण मकान में करंट फैल गया। मकान में महिला राजेश शर्मा (43) और उसकी बेटी ज्योति (21) थीं। जो करंट की चपेट में आ गईं। सुबह एक महिला ने मकान के अंदर सीढ़ियों पर दोनों के शव देखे। जिसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर तहसीलदार राहुल वर्मा, चेवट एसएचओ मनसीराम

बिश्नोई और बिजली अधिकारी मौके पर पहुंचे। पड़ोसी जितेंद्र ने बताया कि सुबह नल में पानी आया था। पड़ोस की महिला ने राजेश शर्मा को आवाज लगाई। वहां से कोई रिप्लाई नहीं आया तो वह मकान में गईं। जहां दोनों के शव सीढ़ियों में पड़े थे। इसके बाद ग्रामीणों को इकट्ठा गया। सूचना पर बेटा भी गांव पहुंचा। जितेंद्र ने बताया कि बारिश रात 10 बजे शुरू हुई। रात 11 बजे गांव को लाइट कट गई थी। संभवतः तार टूटने से ही लाइट गई थी। मृतका राजेश शर्मा के पति की 8 साल पहले मौत हो गई थी। वह अपने बेटे राहुल शर्मा (26) और बेटी ज्योति के साथ रह रही थी। बेटा राहुल शर्मा गांव में ही ई-मित्र चलाता है। जो बुधवार को ई मित्र का लाइसेंस रिन्यू करवाने के लिए कोटा गया हुआ था। जिससे वह बच गया। इसके अलावा गांव में इनकी खेती है। परिवार ने कई बार बिजली अधिकारियों को पोल शिफ्ट करने की मांग की।

## अज्ञात शव



**गुवाहाटी।** महानगर के जीएमसीएच में एक अज्ञात व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 55 वर्षीय उस व्यक्ति की मंगलवार सुबह 9.55 मिनट पर इलाज के दौरान जीएमसीएच में मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

## पृष्ठ एक का शेष

### असमिया में होंगे ...

असमिया भाषी उम्मीदवारों के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। आगामी परीक्षा में छह पेपर शामिल होंगे और 26, 27 और 28 जुलाई को आयोजित किए जाएंगे। यह प्रगतिशील कदम राज्य विफल सेवाओं को अधिक समावेशी बनाने में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।

### अब से राष्ट्रपति भवन ...

की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए *गणतंत्र मंडप* इस आयोजन के लिए उपयुक्त नाम है। अशोक हॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था। *अशोक शब्द* का अर्थ है वह व्यक्ति जो *सभी कर्षों से मुक्त या किसी भी दुःख से रहित* हो। इसके अलावा अशोक का तात्पर्य सम्राट अशोक से है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। इसमें कहा गया है कि भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है, जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। इसमें कहा गया है कि *अशोक हॉल* का नाम बदलकर *अशोक मंडप* करने से भाषा में एकरूपता आएगी और अंग्रेजीकरण के निशान मिटेंगे, साथ ही अशोक शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखा जाएगा।

### कनाडा में मंदिरों को ...

स्पष्ट है। दोधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से आपराधिक तत्वों का हौसला बढ़ा है। उन्होंने आगे कहा कि उग्रवाद और हिंसा के लिए जिम्मेदार और उन्हें समर्थन देने वाले तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। अन्याय कानून के शासन और विविधता के दावे खोखले साबित होंगे। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को इंटरनेट के जरिए धमकी देने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर टिप्पणी करते हुए कटाक्ष किया कि किसी लोकतांत्रिक देश को दोहरे मापदंड नहीं अपनाने चाहिए। हमारी अपेक्षा है कि कनाडा सरकार भारतीय नेताओं राजनयिकों, संस्थानों और एम्बेसी के धमकी देने वाले भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ भी कार्रवाई करे। कनाडा अपने मामले में जैसी सख्त कार्रवाई करता है, वैसी ही भारत संबंधी मामले में की जानी चाहिए। प्रवक्ता ने कहा कि विधि के शासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में यदि अगल-अलग पैमाना अपनाया जाता है तो यह पाखंड होगा। उल्लेखनीय है कि कनाडा के एडमॉन्टन में बीएपीएस स्वामिनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई और दीवार पर पेंट कर दिया गया।

### राज्य में बाढ़ के लिए ...

बाढ़ असम में आती है और राज्य को भारी नुकसान होता है। इस बार बाढ़ ने 29 जिलों को प्रभावित किया, सौ से कम लोगों की जान नहीं गई और कई लोगों ने अपनी संपत्ति खो दी। मैं असम के नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले वित्त मंत्री से अनुरोध करता हूँ कि आप एक लाख करोड़ की राशि प्रदान करें। हम असम के लोग हमेशा आपके आभारी रहेंगे और हम आपके लिए प्रार्थना करेंगे। उन्होंने वित्त मंत्री से अनुरोध किया कि स्थिति को सुधारने के लिए अनुसंधित धनराशि आवंटित की जाए। इसके अतिरिक्त, अजमल ने बताया कि भारत में मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और पारसी सहित अल्पसंख्यकों को वर्तमान में आवंटित 3100 करोड़ रुपये से अधिक वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* जैसी पहलों को समर्थन देने तथा अल्पसंख्यक बच्चों को लैपटॉप और शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राशि को बढ़ाकर 5000 करोड़ रुपए करने का अनुरोध किया। इस महीने की शुरुआत में बद्रुद्दीन अजमल ने धुबड़ी में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए असम सरकार को आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित 90 प्रतिशत क्षेत्रों में कोई राहत सामग्री नहीं पहुंची है और राज्य सरकार पर असम के लिए कुछ भी नहीं करने का आरोप लगाया। अजमल ने कहा कि पिछले 15-20 दिनों से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण कई लोगों को अपने घर और जान गंवांनी पड़ी है। उन्होंने इसे राज्य सरकार की अनदेखी बताया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएडीएमए) के अनुसार, असम में बाढ़ की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, मरने वालों की संख्या अब 90 से अधिक हो गई है। वर्तमान में 18 जिलों के 5 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, जिसमें कछार जिला सबसे अधिक प्रभावित है।

### सालमारा में चार साल...

चार वर्षों के दौरान असम के निचले और मध्य भाग के लोगों को या तो मेघालय के दावकी या कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश जाना पड़ता था, जिससे उन्हें भारी असुविधा होती थी। असम में बांग्लादेश के लिए दो आब्रजन केंद्र हैं - एक करीमगंज जिले के सुराईकांदी में, जिसे महामारी के दौरान भी बंद कर दिया गया था, लेकिन बाद में फिर से खोल दिया गया, और दूसरा मानकाचर में। असम की बांग्लादेश के साथ 262 किलोमीटर

लंबी सीमा लगती है।

### लोस में संग्राम, मंत्री-विपक्षी ..

बल्कि उस दिन मरे जिस दिन आपने कांग्रेस छोड़ी। इससे आग बबूला हुए बिट्टू ने कहा कि उनके दादा देश के लिए शहीद हुए, कांग्रेस के लिए नहीं। बिट्टू ने अंग्रेजों से तुलना के जवाब में कांग्रेस की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कर डाली और चन्नी के खिलाफ भी भ्रष्टाचार से लेकर कई तरह के आरोप जड़े। इससे बड़े हंगामे के बीच बिट्टू इतने आवेश में आ गए कि कर्मीज की पोछे खींचा। नेता विपक्ष राहुल गांधी भी अपने सांसदों को शांत होने का इशारा करते दिखे। हंगामे को आमने-सामने के संग्राम में बदल दो की नौबत आते देख पीसलाना पदाधिकारी संस्था राय ने तत्काल सदन दो बजे तक स्थगित कर दिया। हालांकि, सदन में गरमागरमी का माहौल तब भी रहा और कुछ ही क्षण में स्पीकर अमन बिरला आसन पर आकर दोनों पक्षों को नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे। मगर जैसे ही सदन स्थगन की जानकारी उन्हें दी गई तो वे अपने चेंबर में चले गए, जहां पक्ष-विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने यह टकराव खत्म करने की पहल की। कांग्रेस नेता केंसी वेणुगोपाल ने दो बजे सदन शुरू करने ही मंत्री बिट्टू की चन्नी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों का मामला उठाते हुए कहा कि यह बेहद आपत्तिजनक है कि मंत्री ने एक सांसद पर हमले का प्रयास किया। उन्होंने बिट्टू से माफी तथा उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मंत्री पक्षों की ओर से दिए गए कटु भाषणों को रिकॉर्ड से हटा दिया जाए। बिरला ने कहा कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों वेल में की लाइन से बाहर न जाएं, यह सुनिश्चित करें और मंत्री तो विशेष रूप से मर्यादा और गरिमा का ध्यान रखें। सदन की गरिमा को कम न करें। चन्नी ने फिर अपना भाषण पूरा करना शुरू किया तो किसानों के मुद्दे पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से उनकी नोकझोंक हुई। गोयल ने चन्नी पर किसानों के मामले में गुरहाट करने का आरोप लगाया और प्रमाण देने की मांग की। स्पीकर ने भी चन्नी से उनकी बातों का प्रमाण देने के लिए कहा तब तुणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि प्रमाण देने की परिपाटी राज्यसभा में है, लोकसभा में नहीं। इस पर भी पक्ष-विपक्ष के बीच हंगामा हुआ और चन्नी को अपना भाषण खत्म करना पड़ा।

### खनिज रॉयल्टी को...

लिए होता है। अदालत ने कहा कि सरकार को देय एग्रिमेंट भुगतान को टेक्स नहीं माना जा सकता। मालिक खनिजों को अलग करने के लिए रॉयल्टी लेता है। रॉयल्टी को लीज डीड द्वारा जब्त कर लिया जाता है और टेक्स लगाया जाता है। अदालत का मानना है कि ईंडिया सीमेंट्स के फैसले में रॉयल्टी को टेक्स बताना गलत है। बता दें इस फैसले से ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान को लाभ फायदा होगा।

### भारत-बांग्लादेश के ...

बैठक आयोजित की गई। बाँर्डर सिक्वोरिटी फोर्स बाँर्डर गाई बांग्लादेश के सेक्टर कमांडर स्तरीय बैठक में भारत-बांग्लादेश के बीच शांति स्थापित करने, सीमा के समीप रहने वाले लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ, तस्करों को रोकने पर जोर दिया गया। इसके अलावा सीमावर्ती क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के प्रयास व घुसपैठ रोकने पर भी सहमति बनी। बीएसएफ द्वारा भारतीय सीमा में किसानों, मजदूरों व मवेशी की आवाजाही से होने वाली समस्या के समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक में, बीएसएफ की तरफ से इशॉ लॉल, डीआईडी, सेक्टर हेड इन्चार्ज किशनगंज, अरिंद कुमार होतकर, कमांडेंट, आई के वाल्टे, कमांडेंट, सदीप कुमार खत्री कमांडेंट, अजय कुमार शुक्ला, कमांडेंट, नरेंद्र पाल नेगी, कमांडेंट, राजेंद्र सिंह बोहरा, कार्यवाहक कमांडेंट, आलोक भूषण, कार्यवाहक कमांडेंट, मुकेश कुमार सिंह, डिप्टी कमांडेंट, ऋषिकेश चंद शर्मा सहायक कमांडेंट एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बांग्लादेश की तरफ से बाँर्डर गाई बांग्लादेश के मुहम्मद अरिफुल हक, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, सेक्टर कमांडर दिनाजपुर सेक्टर, मो. जियाउल हक, कमांडिंग ऑफिसर पंचगढ़ बटालियन, मुहम्मद एहसान उल इस्लाम कमांडिंग ऑफिसर दिनाजपुर बटालियन, मुहम्मद तंजीर अहमद, कमांडिंग ऑफिसर ठाकुरगाव बटालियन व अन्य अधिकारीगण ने भाग लिया। समन्वय बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

### हिंदू और मुस्लिम...

इसके अलावा अभी खुदाई के दौरान जैन तीर्थंकरों, देवी-देवताओं की मूर्तियां, जैन तीर्थंकरों से संबंधित लांछन, कछुआ, बंदर, शंख, जैन शिल्प और जैन शिलालेख भी मिले हैं। इन तर्कों के आधार पर भोजशाला पर जैन समाज का दावा उचित है। 15 जुलाई को 2000 पन्नों की एसएसआई रिपोर्ट पेश की गई थी। हाईकोर्ट ने भोजशाला प्रकरण को लेकर संबंधित पक्षों को सुप्रीम कोर्ट के डायरेक्शन का इंतजार करने को कहा है। हिंदू फोरम फॉर जस्टिस की तरफ से याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के जस्टिस धर्माधिकारी और जस्टिस रमन कांत की पीठ ने भोजशाला प्रकरण की सुनवाई की है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई अंतरिम रोक को हटाने के लिए हमने एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की है। मामले में 30 जुलाई को सुनवाई होगी। अब 30 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद ही हाईकोर्ट फैसला देगा। भोजशाला मंदिर था या मस्जिद, इसको लेकर लंबे अरसे से विवाद चल रहा है। यहां मंगलवार को पूजा होती है और शुक्रवार को नमाज अदा की जाती है। यह मामला हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में पहुंचा, जिसने एसएसआई को सर्वे का आदेश दिया। एसएसआई ने 22 मार्च से सर्वे शुरू किया, जो कि 27 जून तक चला। एसएसआई ने सर्वे के दौरान खुदाई कराई। इसकी वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी की गई। साथ ही इसमें प्राइवेट पेंनिंशियन रडार (जीपीआर) और स्लोबल सिस्टम (जीपीएस) की सहायता भी ली गई।

### आउट ऑफ कंट्रोल ...

शाक्य ने केएमसी की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. मीना थापा की टीम से बातचीत की। डॉ. थापा ने पायलट से हुई बातचीत की जानकारी देते हुए कहा कि दुर्घटना को लेकर उनको जितनी बात याद है वो उनसे साझा की है। पायलट कैप्टन शोबन ने बताया कि जैसे ही विमान सौ फीट की ऊंचाई पर गया, वैसा ही अचानक विमान का कंट्रोल उनके नियंत्रण से बाहर हो गया। कैप्टन शाक्य ने डॉक्टर थापा को बताया कि आउट ऑफ कंट्रोल होते ही विमान तेजी से नीचे जमीन पर गिर गया और आग लग गई। कैप्टन शाक्य ने बताया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद वो उछल कर विमान के कुछ हिस्से के साथ बाहर की ओर गिरे। उनको इतना याद है कि दुर्घटना के कुछ समय के बाद किसी पुलिस वाले ने उन्हें सहायता देकर बाहर निकाला और एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा। डॉ. थापा ने बताया कि गम्भीर रूप से घायल और खून से लथपथ कैप्टन शोबन को लाये जाने के बाद बुधवार को ही सिटीस्कैन किया गया था, जिसमें पीढ़ की हड्डी टूटने की बात सामने आई थी। डॉ. थापा ने कहा कि आज एमआरआई कराते की योजना है। साथ ही अलग अलग कंसल्टेंट्स उनकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस समय कैप्टन शाक्य खतर से बाहर है और उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। उन्हें पीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन होने के कारण आईसीयू में रखा गया है लेकिन वो बातचीत कर रहे हैं।

### देश में वायु प्रदूषण ...

चिकित्सा इतिहास, प्रतिरक्षा, आनुवंशिकता आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जनवरी 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों को शामिल करके 24 राज्यों के 131 शहरों (गैर-प्राथमिक शहरों और मिलियन से अधिक शहरों) में वायु गुणवत्ता में सुधार करना है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि विधान सभाओं जैसे कार्यक्रम में वर्ष 2017 की आठवीं रखा की तुलना में वर्ष 2024 तक पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) सांद्रता में 20-30 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2025-26 तक पीएम 10 के स्तर में 40 प्रतिशत तक की कमी लाने अथवा राष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने के लिए लक्ष्य को संशोधित किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी 131 शहरों द्वारा सिटी एक्शन प्लान (सीएपी) तैयार किए गए हैं तथा शहरी स्थानीय निकायों द्वारा उनका क्रियान्वयन किया जा रहा है। शहर विशिष्ट स्वच्छ वायु कार्य योजनाओं में शहर विशिष्ट वायु प्रदूषण स्रोतों जैसे मिट्टी एवं सड़क की धूल, वाहन, घरेलू ईंधन, अपशिष्ट जलाना, निर्माण सामग्री तथा उद्योगों को लक्षित किया गया है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि सिटी एक्शन प्लान की गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए इन 131 शहरों को प्रदर्शन आधारित वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम (शहरी), कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत), स्मार्ट सिटी मिशन, किफायती परिवहन के लिए सतत विकल्प (एसएटीएटी), हाइड्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से अपनाया और विनिर्माण (फेम-टू), नगर वन योजना आदि और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों और नगर निगम, शहरी विकास प्राधिकरण और औद्योगिक विकास प्राधिकरण आदि एजेंसियों से संसाधनों के माध्यम से वित्त पोषण जुटाया जाता है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की सार्वजनिक शिक्षायतों को समय

पर दूर करने के लिए सभी 131 शहरों द्वारा लोक शिक्षायत निवारण पोर्टल (पीजीआरपी)/हेल्पलाइन विकसित की गई है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वायु आपात स्थितियों में कार्रवाई करने के लिए सभी 131 शहरों द्वारा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली (ईआरएस/जीआरएपी) विकसित की गई। वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2025-26 तक की अवधि के लिए 131 शहरों के लिए 19,614.44 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 49 मिलियन से अधिक शहरों/शहरी समूहों को फंडवर्ष वित्त आयोग वायु गुणवत्ता अनुदान के तहत वित्त पोषित किया जाता है। शेष 82 शहरों को प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। अब तक 131 शहरों को अपने-अपने शहरों में सिटी एक्शन प्लान लागू करने के लिए 11,211.13 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई।

### दवा लेने गई महिला...

भाई भी उससे मिलने के लिए आने वाला था, लेकिन जब महिला वहां नहीं पहुंची, तो उसने अजगर कितने खतरनाक हो सकते हैं। इस घटना ने स्थानीय लोगों में भय और चिंता पैदा कर दी है और वन्यजीवों से बचाव के उपायों की जरूरत को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है।

### जल्द हो सकता है ...

महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं। माना जा रहा है कि जो भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनेगा, वहीं संगठन के चुनाव के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव जीतने पर लोकसभा चुनाव के बाद जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ गया है। जेपी नड्डा इन दिनों अध्यक्ष पद के साथ-साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी हैं। इसके अलावा वह राज्यसभा नेता सदन भी बनाए गए हैं। इससे पहले यह जिम्मेदारी पीयूष गोयल निभा रहे थे। लेकिन पीयूष गोयल हुईं नॉर्थ से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। इसके बाद राज्यसभा में नेता सदन का पद खाली हो गया था। गोयल की जगह नड्डा को राज्यसभा में नेता सदन बनाया गया है। ऐसे में नड्डा भाजपा अध्यक्ष के साथ-साथ केंद्रीय गृह और राज्यसभा में नेता सदन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। जेपी नड्डा को भारतीय जनता पार्टी को 2019 में भाजपा का अध्यक्ष चुना गया था। इससे पहले अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म हो गया था। लेकिन लोकसभा चुनाव को देखते हुए उनके कार्यकाल को बढ़ाया गया था। अध्यक्ष बनने से पहले जेपी नड्डा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। जेपी नड्डा को 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया था। जहां भाजपा गठबंधन ने 62 सीटों पर जीत हासिल की।

### देश के छह हजार ...

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं की सहूलियत के लिए 6000 आंगनवाड़ी केंद्रों में क्लैच सेंटर खोलने की योजना बनाई गई है। इसके लिए जल्दी आवश्यक भर्ती की जाएगी। आंगनवाड़ी केंद्रों में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ आने वाले समय में एक लाख से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों को अपग्रेड किया जाएगा। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि 2024-25 के लिए महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से योजनाओं के लिए जेंडर बजट आवंटन 3.3 लाख करोड़ रुपए है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के जेंडर बजट विवरण की तुलना में 37.3 प्रतिशत अधिक है। यह महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

### झारखंड में बढ़...

महिलाओं से विवाह करना है। लोकसभा में शुभकाल के दौरान बोलते हुए भाजपा के गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) तैयार करने की मांग करते हुए कहा कि मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। सांसद ने यह भी कहा कि उनके पूरे राज्य में आदिवासी आबादी 10 प्रतिशत कम हो गई है और आदिवासी महिलाएं बांग्लादेशी पुरुषों से शादी कर रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा आदिवासी आबादी में लगातार हो रही गिरावट पर कुछ नहीं कर रही है।

ईजीपीडी ने हेरोइन के

साथ दो को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। ड्रग्स तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के बाद भी राज्य में तस्करी के मामले कम नहीं हो रहे हैं। गुरुवार को हाथीगांव पुलिस ने बताया कि हाथीगांव थाने की ईजीपीडी टीम ने बरपेटा निवासी लियाकत अली (43) को राजधानी के सुंदरबन नगर में 11 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। एक अन्य घटना में धुबड़ी जिले के हलाकुरा थाना पुलिस ने काफी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। पुलिस ने तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया।

दो झपटमार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबाड़ी थाना क्षेत्र के मालीगो पुलिस ने झपटमारों में शामिल दो झपटमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सुंदरबाड़ी इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान दो झपटमारों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार झपटमारों के पास एक स्कूटी (एस-25टी-3966) और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्रारंभिक दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सख्त पूछताछ कर रही है।

## गुवाहाटी में हेरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक महिला तस्कर को हेरोइन के साथ गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की एक टीम ने गुरुवार को दोपहर गुवाहाटी के हाथीगांव थाना क्षेत्र के नोटबामा, सिजुबाड़ी मजार स्थित ओली देवी बेगम नामक महिला के घर पर छापा मारा। इस दौरान एक कुख्यात महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा उक्त छापामारी में संदिग्ध हेरोइन वाले 13 साबुनदानी बरामद किये गये। हेरोइन का वजन 150.5 ग्राम है। नकद 13 हजार रुपए तथा एक मोबाइल हैंडसेट भी इस दौरान बरामद किया गया। गिरफ्तार महिला की पहचान ओली देवी बेगम (29,

# व्यवसाय विकास एवं परिवहन समाधान के लिए बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। स्थानीय अर्थव्यवस्था को और अधिक बढ़ावा प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) द्वारा किए गए पहल के एक हिस्से के रूप में, व्यापारियों और अन्य व्यापारिक समुदायों के साथ समय-समय पर बैठक और संवाद-सत्र आयोजित किए जाते हैं। पूसीरे ने माल परिवहन की मात्रा बढ़ाने के लिए सभी पांच मंडलों और जोनल मुख्यालय स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट्स (बीडीयू) की स्थापना की है। ये बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट्स (बीडीयू) ट्रेन द्वारा आवाजाही के लिए नया परिवहन तलाशने के लिए अपने संबंधित क्षेत्रों में व्यापार और उद्योग जगत के लोगों के साथ निरंतर बातचीत करती हैं। सड़क मार्ग की तुलना में रेलवे परिवहन का एक तेज और सस्ता साधन है, इससे देश भर में बड़े बाजार उभरने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। पूसीरे के सीपीआरओ



सब्यसाची दे ने आज बताया है कि इस संदर्भ में, लमडिंग मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों सहित मंडल रेलवे प्रबंधक ने 24 जुलाई को लमडिंग में व्यापारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में 33 व्यापारियों ने हिस्सा लेते

हुए ट्रक की कमी, ग्राम की उपलब्धता, माल लदे रेलवे रिक के प्लेसमेंट, गुड्स यार्ड की स्थिति और माल वैगनों के क्लियरेंस में देरी के लिए व्हारफेजु चार्ज एवं डेमारेज शुल्क लगाए जाने से संबंधित मामलों जैसे

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में पूसीरे के अधिकारियों ने व्यापारियों को रेलवे के माध्यम से परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराकर स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए प्रदान किए जा रहे

विभिन्न कार्यक्रमों और सुविधाओं की जानकारी दी। रेलवे परिवहन का सबसे पर्यावरण अनुकूल साधन भी है। बैठक के दौरान माल परिवहन की हैंडलिंग, ऑटोमोबाइल परिवहन और अन्य वस्तुओं के परिवहन की संभावना और उसके लाभ पर विस्तार से चर्चा की गई। यहां यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (बीडीयू) की पहल के कारण हाल ही में पूसीरे के तिनसुकिया मंडल द्वारा पहली बार असम के धेमाजी से मध्य प्रदेश के अमलाई तक बांस के 20 वैगनों का परिवहन किया गया। उल्लेखनीय है कि पूसीरे स्थानीय अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए व्यापार करने में आसानी और अपने ग्राहकों एवं विभिन्न स्ट्रेकधारकों विशेष रूप से व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

## गोसाईगांव में पुलिस ने 402 किलो गांजा समेत चार लोगों को किया गिरफ्तार



गोसाईगांव (विभास)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव महकमे के अंतर्गत 31 नंबर राजमार्ग पर गोसाईगांव के एसडीपीओ हिरन कुमार डेका के नेतृत्व में अभियान चलाकर 402 किलो गांजा जब्त की गई। मिली जानकारी के अनुसार गोसाईगांव के सिमलतापु पुलिस की सहायता से असम-बंगाल सीमा पर राष्ट्रीय राजमार्ग 31सी पर श्रीरामपुर में छापेमारी के दौरान उक्त गांजे जब्त की गई। इसके अलावा गांजा से लदे टुक को भी जब्त कर लिया गया। जब्त टुक की रजिस्ट्रेशन नंबर एचआर 46 एफ 4203 है। इसके अलावा टुक चालक समेत अन्य तीन लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि टुक के अंदर एक छिपे हुए चैबर से यह गांजा बरामद किया गया। अवैध गांजा ले जा रहा कंटेनर गुवाहाटी से बिहार की ओर जा रहा था। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

## बीपीएफ से बहारल इस्लाम ने दिया इस्तीफा

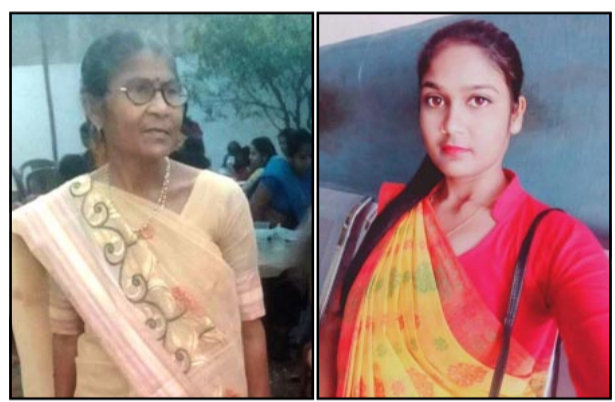
कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से आज बीपीएफ के केंद्रीय समिति के सीडब्ल्यूसी सदस्य बहारल इस्लाम बीपीएफ ने अपने प्राथमिक सदस्यता पद से इस्तीफा दे दिया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बहारल इस्लाम ने कहा कि उन्हें अपने व्यवसाय और निजी कारणों से बीपीएफ दल छोड़ना है।

## जाली नोट के साथ दो नोट नोट बनाने वाला गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जाली नोट के खिलाफ रूपहीहाट पुलिस की छापामारी में जाली नोट बनाने वाली मशीन तथा जाली नोट के साथ दो जाली नोट बनाने वालों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दोनों की पहचान अब्दुल जलील और महमदुल हुसैन के रूप में हुई है। दोनों को रूपहीहाट के पश्चिम शवालानी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस कार्रवाई में 500 रुपए के 13 जाली नोटों के साथ मशीन तथा भारी मात्रा में कागज के बंडल जब्त किए गए। पुलिस गिरफ्तार अब्दुल जलील और महमदुल हुसैन से पूछताछ कर रही है।

## मां और बेटी की हत्या का आरोप दामाद पर

कोकराझाड़ (विभास)। जिले में दामाद पर दो हत्या करने का आरोप ने पूरे इलाके में सनसनी व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार दामाद मानव साहा ने अपने पत्नी की बहन व सास की धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। कोकराझाड़ जिले के शांतिनगर, वार्ड नंबर 3 के रहने वाला मानव साहा ने पारिवारिक झगड़े को लेकर अपनी पत्नी की बहन दीपशिखा मल्लिक (35) औप सास कल्पना मल्लिक (60) पर जोरदार हमला कर मौत के फरार हो गया। इस हमले में कल्पना मल्लिक की घटनास्थल पर ही मौत हुई। जबकि दीपशिखा मल्लिक को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसने तोड़ दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही कोकराझाड़



पुलिस मौके पर पहुंच गई जांच में जुट गई। वहीं घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार मानव साहा पिछले छह महीने से अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़कर दूसरी महिला के साथ दिल्ली में रहा था। इस बीच मानव साहा की सास

महिला को उसके परिवारों के पास लाया गया। बताया जाता है कि इसी कारण गुस्साए मानव साहा ने अपनी सास व पत्नी देविका मल्लिक और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा था। हत्या से एक रात पहले उसने उन्हें जान से मारने की धमकी भरे संदेश भी भेजा था। कोकराझाड़ पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी देबीजीत फुकन के नेतृत्व में पुलिस उसे पकड़ने के लिए जिलेभर में अभियान चला रही है। इस घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय विधायक लॉरेंस इस्तारी घटनास्थल का दौरा किया और पुलिस से आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की। इसी तरह इलाके के लोग भी हत्यारे कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रही है।

## ओलंपिक चैंपियन मीराबाई चानू के साथ स्टार सीमेंट ने किया करार रंगिया : विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार नियोजन जागरूकता बैठक आयोजित

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर की प्रतिष्ठित ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू के साथ भारत का अग्रणी सीमेंट ब्रांड तथा पश्चिम बंगाल व बिहार में एक उभरता हुआ ब्रांड स्टार सीमेंट ने अपनी साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग उत्कृष्टता, शक्ति और लचीलेपन के प्रति स्टार सीमेंट की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है - चानू ने अपने शानदार करियर में ये गुण अपनाए हैं। मीराबाई चानू, देशवासियों के लिए एक सच्ची प्रेरणा और गौरव हैं, जिन्होंने वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मणिपुर के एक छोटे से गांव से ओलंपिक पदक जीतने तक का उनका सफर स्टार सीमेंट के मूल मूल्यों से गहराई से मेल खाता है। अब वह अपने दृढ़ संकल्प और सफलता की कहानी स्टार सीमेंट के आगामी टेलीविजन



विज्ञापन में दिखाएंगी, जिसे पूरे क्षेत्र के दर्शकों को प्रेरित करने और उनसे जुड़ने के लिए रूप में तैयार किया गया है। स्टार सीमेंट की ओर से, आईओएस स्पोर्ट्स ने मीराबाई चानू और ब्रांड के बीच सहयोग को सुगम बनाया। इस अभियान का उद्देश्य एक साथ मिलकर एक मजबूत और उज्वल भविष्य के निर्माण का शक्तिशाली संदेश देना है। स्टार सीमेंट के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रदीप पुरोहित ने सहयोग के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने नए अभियान के चेहरे के रूप में मीराबाई चानू का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। उनकी अटूट लगन, अथक दृढ़ता और प्रेरणादायक सफलता की कहानी स्टार सीमेंट के सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। हमारा मानना है कि यह साझेदारी न केवल हमारी ब्रांड छवि को बढ़ाएगी बल्कि पूरे

क्षेत्र में लाखों लोगों को अपने प्रयासों में उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करेगी। मणिपुर में अपनी जड़ों से वैश्विक पहचान हासिल करने तक मीराबाई चानू की अविश्वसनीय यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है। इस दौरान पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि स्टार सीमेंट के साथ जुड़कर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ, एक ऐसा ब्रांड जो ताकत और विश्वसनीयता का प्रतीक है। इस अभियान के माध्यम से, मैं लोगों को उसी दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना चाहती हूँ जो मेरी यात्रा की आधारशिला रही है। साथ मिलकर हम एक मजबूत और अधिक लचीला भविष्य बना सकते हैं। स्टार सीमेंट के ब्रांड हेड दिव्यज्योति के मार्गदर्शन में ब्रांडिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

रंगिया (विभास)। विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में परिवार नियोजन पर जागरूकता बैठक आयोजित की गई। स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से 11 जुलाई से प्रारंभ विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार बैश्य की अध्यक्षता में आयोजित खुली बैठक में उपस्थित लोगों को परिवार नियोजन के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मी अमृत्यु बैश्य के संचालन में आयोजित इस बैठक के प्रारंभ में सलाहकार अनिमा बेगम द्वारा उद्देश्य की व्याख्या की गई। बैठक में डॉ.



पद्मेश्वर कलिता, डॉ. त्रैलोक्य नाथ, डॉ. गौरांग मेधी, डॉ. अशोक कलिता और डॉ. नीलांजना दास सहित दाइयों और कर्मचारियों ने भाग लिया। वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2023-24 के परिवार नियोजन कार्यक्रम के

क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए अस्पताल के अधिकारियों ने डॉ. गौरांग मेधी सहित प्रणीता तालुकदार और सैयदा पारबीन सुलताना को अस्पताल की ओर से प्रशस्ति पत्र आदि से अभिनन्दन किया गया।

## हिंदी नवलेखक साहित्य कुंभ का शुभारंभ विधायक प्रमोद बरठाकर ने किया

विश्वनाथ (विभास)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार तथा विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रीय प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजित पांच दिवसीय शिविर का आज सुबह 10 बजे राष्ट्रीय विद्यालय में उद्घाटन सत्र से शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, विचारभा प्रबोध विद्यालय परिचालना ने की। मुख्य अतिथि प्रमोद बरठाकर, विधायक, विश्वनाथ विधानसभा समिति, विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरज्योति बरठाकर, पौरपति, विश्वनाथ चारिआलि नगरपालिका मौजूद थे। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन डॉ. शालिनी राजवंशी, सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी, केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा हुआ। संस्थान के विद्यार्थी तथा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति हुई। स्वागत भाषण संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम के जरिए केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने उद्बोधन व्याख्यान दिए। उन्होंने हिंदी भाषा व साहित्य के ऊपर सारगर्भित वक्तव्य देते हुए हिंदीतर भाषी क्षेत्र में काम कर रहे विश्वनाथ



चारिआलि राष्ट्रीय प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति की कार्य की सराहना की। संस्थान का परिचय देते हुए शिविर निदेशक व संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो ने संस्थान के अब तक संपूर्ण कार्यशैली पर प्रकाश डाला। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी डॉ. शालिनी राजवंशी द्वारा निदेशालय का परिचय प्रस्तुत हुआ। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय के द्वारा संचालित उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन साहित्यिक सचिव मदनगोपाल साहू ने किया।

इस नवलेखक शिविर के दौरान हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर व्याख्यान सत्र प्रस्तुत जिसमें देश के कई हिंदी भाषाओं के विद्वानों ने भाग लिया। जिसमें अखिल भारतीय स्तरीय के मार्गदर्शक के रूप में क्रमशः पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बटिंडा पंजाब के जनसंचार तथा मीडिया अध्ययन विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. किशुक पाठक, पूर्वोत्तर पत्नीय विश्वनाथ, शिलांग मेघालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक सिंह और नगांव के हिंदी विभाग सहायक आचार्या डॉ. करवी देवी मौजूद थीं।

No.SCDB/15<sup>th</sup> FC-504/pt-I/2021-22/275

Dated: 13/07/2024

**SHORT NOTICE INVITING TENDER**

Scaled tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class-I (A, B, C), Class-II and III category of Assam PWD (Roads & Building), according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15<sup>th</sup> FC (untied grant) for the year 2023-24 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 7/08/2024 and will be opened on the same date & place at 2.PM.

Sl. No.	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Spreading of S/G at Hasraobari village road with 2 Nos. hume pipe.	Rs. 10,00,000/-	Rs.9,90,000/-	3 month
2	Const. of RCC Box Culvert at Gwjwmpuri.	Rs. 10,00,000/-	Rs.9,90,000/-	3 month
3	Spreading of S/G at Mvigaon Turibari village road.	Rs. 10,00,000/-	Rs.9,90,000/-	3 month
4	Const. of road at Hadanpara approach to transformer.	Rs.10,00,000/-	Rs.9,90,000/-	3 month
5	Const. of road S/G link road at Bhodeyaguri LP School road.	Rs. 10,00,000/-	Rs.9,90,000/-	3 month
6	Const. of RCC Box Culvert near Tukrajhar BCC.	Rs.5,00,000/-	Rs.4,95,000/-	2 month

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 13/07/2024 to 7/08/2024 in the office of the undersigned on payment of cost of tender paper in the form of demand draft/Bankers Cheque from any Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, Payable at Kokrajhar. The contractors should submit attested copy of latest registration certificate, latest clearance certificate of Pan card, GST along with the tender paper. In case, the office remains closed on tender issuing/receiving date, the same will be issue/receive/opened on the next working day without further notification. [The successful tenderer has to submit 1% (One P/C) in case of SC/ST/OBC and 2% (Two P/C) in case of general] SD money against the work in the form of FDR/Bankers Cheque/D. Draft from any nationalized Bank duly pledged to the Block Dev. Officer, Sidli-Chirang Dev. Block, Sidli as mentioned above at the time of allotment of work.] The BDO, Sidli Chirang Dev. Block reverse the right of acceptance of tender papers or outright rejection of the same without assigning any reason thereof.

Sd/-  
Block Dev. Officer,  
Sidli-Chirang Dev. Block, Sidli

IPR(BTC)/C/2024-25/182







## डीजीसीए एयर इंडिया एक्सप्रेस चालक दल की हड़ताल मामले की जांच कर रहा, मंत्री बोले- होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए मई में एयर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल की हड़ताल की घटना की जांच कर रहा है। इसके कारण कई उड़ानें रद्द हुई थीं और नियमों का अनुपालन नहीं करने पर एयरलाइन पर जुर्माना लगाया जाएगा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इसकी जानकारी दी। लोकसभा में उड़ानों के रद्द होने से संबंधित प्रश्नों के जवाब में, नायडू ने कहा कि मंत्रालय यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई रद्दीकरण या देरी न हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक

एयरलाइन, चालक दल के सदस्यों और अन्य चीजों के साथ काफी चर्चा की और इसे सुलझा लिया गया... एक सॉफ्टवेयर गड़बड़ी भी हुई थी। सॉफ्टवेयर गड़बड़ी के कारण, चालक दल के सदस्यों के डेटा जो एयरलाइन के पास होनी चाहिए थी, उसमें कुछ समस्या थी और वे मैन्युअल रूप से (डेटा) दर्ज करने की कोशिश कर रहे थे... सब कुछ सामान्य स्थिति में वापस आने के लिए, (इसमें) कुछ समय लगा। नायडू ने कहा कि अगर विमानन कर्पणियां नियमों का पालन नहीं करती हैं तो मंत्रालय दखल देता है

और सुनिश्चित करता है कि यात्रियों को किसी अन्य उड़ान में समायोजन मिले या उन्हें ऐसे रिफंड किए जाएं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा, डीजीसीए एयर इंडिया एक्सप्रेस की हड़ताल की घटना को गहराई में जा रहा है और मामले की जांच कर रहा है। अगर एयरलाइंस की ओर से कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो निश्चित रूप से हम उन्हें दंडित करने जा रहे हैं और सुनिश्चित करेंगे कि यात्री भी सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

### न्यूज़ ब्रीफ

एंजल कर हटने से बढ़ेगा नवाचार, विदेशी निवेश भी आएगा; विवाद और मुकदमेबाजी में भी कमी आएगी



नई दिल्ली। स्टार्टअप के लिए एंजल कर हटाने के सरकार के फैसले से विदेशी निवेश आकर्षित करने एवं नवाचार को बढ़ावा देने के साथ स्टार्टअप तंत्र को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआई) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा, यह एक लंबित मुद्दा था, क्योंकि यह कर देश में आने वाले निवेश पर लगाया जाता था। इस तरह के विदेशी निवेश पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए। एंजल कर हटाने से विवाद और मुकदमेबाजी में भी कमी आएगी। जरूरी था कर हटाना सचिव ने कहा, निवेशक संभावित नए नवाचार पर निवेश करता है और एंजल कर उन्हें नुकसान पहुंचा रहा है। इस कारण भारत में एक 'वास्तविक रूप से अच्छे' विचार को समर्थन नहीं मिल रहा था। साथ ही, यह लोगों को विदेश से पैसा लाने के लिए मजबूर कर रहा था। एंजल कर के कारण भारत में एफडीआई कम हो जाता है। इससे ऐसी व्यवस्था बनती है, जहां लोग देश के बाहर रहते हैं और फिर लंबे समय बाद वापस आ जाते हैं, क्योंकि बाजार यहीं है। वया है एंजल कर सरकार एंजल कर गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप की ओर से जुटाई गई धनराशि पर तब लगाती है, जब उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है। इस पर 30 फीसदी से अधिक कर लगाता है।

80 करोड़ की बैंक जमा और डीमैट होल्डिंग्स फ्रीज; फॉरेक्स ट्रेडिंग एप मामले में प्रवर्तन निदेशालय का एवशन



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक अवैध ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के संचालन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 80 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बैंक जमा और डीमैट होल्डिंग्स को फ्रीज कर दिया है। इस प्लेटफॉर्म पर निवेशकों से 500 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। ईडी ने दी जानकारी ईडी ने कहा कि उसने ऑक्टोफॉक्स ट्रेडिंग एप और वेबसाइट के मामले में 22 जुलाई को मुंबई, कोलकाता, दिल्ली और गुरुग्राम में छापे मारे गए थे। ऑक्टोफॉक्स पर विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में निवेशकों से धोखे से प्राप्त धन को सेबी में पंजीकृत निवेशक निवेश कोष (एआईएफ) में निवेश के रूप में डाला गया है, ताकि उन्हें वैध निधि के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा, ऑक्टोफॉक्स ने निवेशकों को लुभाने के लिए अपनी अचार गतिविधियों के लिए धन हस्तांतरित करने के लिए ब्रिटिश सर्विस आइलैंड्स (बीवीआई) और परतोनिया में स्थित संस्थाओं का उपयोग किया। ईडी के अनुसार, ऑक्टोफॉक्स ने कई शेल या नकली कर्पणियां स्थापित कीं और विदेशी मुद्रा व्यापार की सुविधा के बहाने उनके बैंक खातों का उपयोग किया। 1000 करोड़ से ज्यादा का मुनाफा कमाया एजेंसी के अनुसार, ऑक्टोफॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ऑक्टोफॉक्स और उनकी संस्थाओं ने विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में निवेशकों को धोखा दिया है, जिससे भारतीय क्षेत्र से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ कमाया है। इन निधियों का एक हिस्सा शेल संस्थाओं की मदद से जटिल लेनदेन के जाल के माध्यम से स्थानांतरित किया गया था और फर्जी माल ढुलाई सेवाओं, सेवाओं के आयात आदि की आड़ में अपनी संबंधित संस्थाओं को विदेश में भेजा गया था।

निवेश प्रस्तावों की मंजूरी के लिए सख्त की जाएगी समयसीमा, इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में आएगी तेजी

नई दिल्ली। सरकार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए सख्त समयसीमा तय करेगी। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेजी आएगी। डीपीआईआईटी सचिव ने कहा, इन मंजूरीयों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) है। फिर भी इसमें देरी हो रही है क्योंकि एसओपी का पालन नहीं किया जा रहा है। सचिव ने कहा, मंजूरी व अनुमोदन की प्रक्रिया को छोटा करने का विचार है। विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड को खत्म करने के बाद एफडीआई नीति और फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) विनियमों के तहत विदेशी निवेश के लिए मंजूरी देने का कार्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों को सौंप दिया गया है।

## एलटीसीजी टैक्स में बदलाव पर सीबीडीटी चेरमैन ने साफ की तस्वीर, बोले- यह व्यावहारिक तौर पर फायदेमंद

नई दिल्ली। बजट 2024-25 में लंबी अवधि के लिए रखी गई गृह संपत्तियों की बिक्री से अर्जित पूंजीगत लाभ पर कर की दरों को कम कर दिया गया है, लेकिन करदाताओं के लिए उपलब्ध इंडेक्सेशन के लाभ को हटा दिया गया है। कुछ वर्गों ने इस फैसले से रियल एस्टेट सेक्टर के प्रभावित होने पर चिंता जाहिर की है। अब सीबीडीटी चेरमैन ने इस पर स्थिति साफ की है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेरमैन रवि अग्रवाल ने कहा कि रियल एस्टेट लेनदेन से इंडेक्सेशन लाभों को हटाना करदाताओं के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने कहा कि इसे सादे गणित के बजाय वास्तविक बाजार की गतिशीलता के आधार पर देखा जाना चाहिए।

देश में प्रत्यक्ष कर प्रशासन के प्रमुख ने बजट के बाद साक्षात्कार में पीटीआईआर भाषा से कहा कि विभाग ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से संसद में घोषित किए गए उपायों से पहले इस बारे में कुछ गणना की थी। अग्रवाल ने यह भी बताया कि नई प्रणाली कहती है कि यहां करदाता पर कम कर दायित्व होगा। बजट 2024-25 में लंबी अवधि के लिए रखी गई गृह संपत्तियों की बिक्री से अर्जित पूंजीगत लाभ पर कर की दरों को कम कर दिया गया है, लेकिन करदाताओं के लिए उपलब्ध इंडेक्सेशन के लाभ को हटा दिया गया है।

एलटीसीजी (लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन) टैक्स की दर को इंडेक्सेशन सुविधा हटाकर 20 फीसदी से घटाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है। इंडेक्सेशन ऐसी परिसंपत्तियों के खरीद मूल्य पर मुद्रास्फीति के प्रभाव को समायोजित करने का एक तंत्र है।

बजट में एलटीसीजी में बदलाव की घोषणा के बाद कई वर्गों ने चिंता जाहिर की है कि इंडेक्सेशन को दूर करने से रियल एस्टेट बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस अग्रवाल ने कहा कि व्यावहारिक रूप से, ज्यादातर मामलों में, नई योजना फायदेमंद होगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न तबकों और करदाताओं की ओर से पूंजीगत लाभ व्यवस्था को सरल बनाने की मांग की जा रही है।

एलटीसीजी में बदलाव का मकसद सीबीडीटी को सरल बनाना: सीबीडीटी चेरमैन - सीबीडीटी चेरमैन ने कहा कि बजट के इस कदम का मकसद इस प्रक्रिया को सरल बनाना है क्योंकि कोई भी जटिल



बांछा अपने साथ विवाद भी लेकर आता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के प्रमुख ने कहा कि व्यावहारिक रूप से देखते हैं कि वर्तमान में बाजार में क्या होता है।

अचल संपत्ति का मामला लें, संपत्ति की दरें या लाभ पिछले दस वर्षों में काफी बढ़ गए हैं। अब, पिछले 10 वर्षों में नई व्यवस्था के साथ अपने इंडेक्सेशन की तुलना करें, मान लीजिए कि आपने 2014 में एक संपत्ति खरीदी है, और आप इसे 2024-25 में बेच रहे हैं। तो इंडेक्सेशन का लाभ केवल 1.5 गुना होगा। मान लीजिए कि यदि संपत्ति एक है, तो मूल्यांकन की सूचकांक लागत 1.5 गुना होगी। 10 साल में इसमें केवल 1.5 गुना की वृद्धि होगी।

सीबीडीटी चेरमैन ने कहा कि हमने (सीबीडीटी) और आयकर विभाग) कुछ गणना की है और पाया है कि यदि संपत्ति की दर 10 साल में तीन गुना बढ़ती है तो बजट में घोषित नई कर व्यवस्था फायदेमंद है। अग्रवाल ने कहा, व्यावहारिक रूप से, ज्यादातर मामलों में, संपत्ति की दरें तीन गुना से अधिक बढ़ गई हैं। उस गणित को छोड़िए जो कहता है कि अगर दस साल में प्रॉपर्टी रेट दो गुना या डेढ़ गुना बढ़ गया है तो क्या होता है वगैरह... वास्तविकता यह है कि संपत्ति की दरें तीन गुना से अधिक हो गई हैं और रियल्टी क्षेत्रों में... टियर वन और टियर टू शहर... सर्किल रेट बढ़ गए हैं... यहां तक कि बाजार की दरें भी।

नई कर व्यवस्था में करों की बाधयता कम - सीबीडीटी चेरमैन ने कहा, 2001 को आधार मानें तो 20-25 वर्षों में संपत्ति की दरें बहुत अधिक बढ़ गई हैं, और अब 2024 में, इन 23 वर्षों में, यदि संपत्ति की दर सात गुना या साढ़े सात गुना बढ़ गई है, तो नई व्यवस्था फायदेमंद है। गणित एक तरफ है, जब आप वास्तविक बाजार में आते हैं, तो आप पाते हैं कि नई कर व्यवस्था

बेहतर है। अग्रवाल ने कहा कि प्रभावी रूप से (नई व्यवस्था में) कर की बाधयता कम है।

सीबीडीटी चेरमैन रवि अग्रवाल ने कहा, हम लंबे समय से इस इंडेक्सेशन शासन के साथ रहे हैं और हमें इसकी आदत हो गई है। लेकिन, अगर हम वास्तव में इसका विश्लेषण गणित के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि वास्तविक बाजार की गतिशीलता को देखते हुए करना शुरू करते हैं, तो कोई भी समझ सकता है कि यह योजना बेहतर है। सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि नई व्यवस्था का मकसद प्रक्रिया को सरल बनाना है, जिससे समझने में आसान (करदाता के लिए) होना चाहिए, क्रियान्वित करने में (कर विभाग के लिए) आसान होना चाहिए और इसमें प्रावधानों की बहुलता से पैदा होने वाले विवादों को कम से कम करने का भी लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पुरानी संपत्तियों के मामले में उचित बाजार मूल्य के 2001 के इंडेक्सेशन के अनुसार पुरानी व्यवस्था लागू रहेगी। बजट में 2001 से पहले खरीदी या विरासत में मिली संपत्तियों पर करदाताओं के लिए इंडेक्सेशन लाभ को बरकरार रखा गया है। हालांकि, एलटीसीजी इंडेक्सेशन प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। बजट में एक अंकटूर व विकल्प (एफएंडओ) कारोबार पर लगने वाले प्रतिभूति सौदा कर (एसटीटी) में बढ़ोतरी के अंतर्गत के बारे में पूछे जाने पर चेरमैन ने कहा कि यहां लेनदेन में बेतहाशा वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा, यह देखा गया कि हर कोई भाग ले रहा था (एफएंडओ में) ... इसमें अधिक जोखिम शामिल हैं और यह भी तथ्य है कि अगर इतनी भागीदारी है, तो क्या हम वास्तव में उससे कुछ राजस्व प्राप्त कर सकते हैं यह एक कारण है, दूसरा प्रश्न यह है कि क्या हम इसे बढ़ावा देते हैं हमने एक प्रवृत्ति देखी है, और हमें कहना चाहिए कि यह ठीक है या हमें एक ऐसी व्यवस्था के साथ आना चाहिए जो (प्रणाली) को सामान्य करे। बजट में एसटीटी में वृद्धि का एलान आर्थिक सर्वेक्षण में डेरिवेटिव कारोबार में खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी पर चिंता जताए जाने के एक दिन बाद किया गया। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि विकासशील देश में सट्टा व्यापार का कोई स्थान नहीं है। यह भी कहा गया है कि एफएंडओ कारोबार में खुदरा निवेशक भागीदारी में तेज वृद्धि संभवतः लोगों की जुए के प्रति आकर्षण की प्रवृत्ति से प्रेरित है।

## सोने का भाव गिरकर 67,900, चांदी 81,500 रुपए के करीब



नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 67,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉम्मेक्स पर सोना 2,398.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,415.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 44.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,371.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉम्मेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.31 था। इस समय यह 1.24 डॉलर की गिरावट के साथ 28.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मल्टी कम्पॉजिट एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 937 रुपये की गिरावट के साथ 68,015

## तेलंगाना की सरकार ने 2.91 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.91 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय के साथ बजट पेश किया। बजट में राजस्व व्यय 2.21 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 33,487 करोड़ रुपये हैं। कुल राजस्व 2,90,814 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया था, जिसमें 57,000 करोड़ रुपये से अधिक के आपन मार्केट लोन शामिल थे। इस क्षेत्र को इतना मिला तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री महू भट्टी विक्रमार्क ने विधानसभा में बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कुश्नि के लिए 72,659 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग के लिए 21,292 करोड़ और सिंचाई के लिए 22,301 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव रखा है।

तेलंगाना का कर्ज बढ़ा विक्रमार्क ने कहा कि इस बजट में हमने पंचायती राज और ग्रामीण विकास के लिए



29,816 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना का कर्ज 6.71 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया है। पिछले 10 वर्षों में राज्य सरकार का कर्ज बिना किसी विकास के 10 गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद 35,118 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया, जबकि 42,892 करोड़ रुपये के कर्ज (मूलधन और ब्याज दोनों) चुकाए गए।

## स्टारलिनक सेवा अब एक हजार से ज्यादा विमानों में शुरू: एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को। स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने बताया कि किरायाती इंटरनेट सेवा स्टारलिनक अब एक हजार से ज्यादा विमानों में शुरू हो गई है। कंपनी के अनुसार, स्टारलिनक यात्रियों को विमान में कदम रखते ही हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन मिलेगा।

एलन मस्क ने अपने एक्स पर पोस्ट किया, विमान में स्टारलिनक का उपयोग करने से ऐसा लगता है जैसे आप हाई-स्पीड ग्राउंड फाइबर कनेक्शन पर हैं।

एलन मस्क ने हाल ही में बताया कि अफ्रीका का सिएरा लियोन देश स्टारलिनक से जुड़ने वाला 100वां और 10वां अफ्रीकी राष्ट्र बन गया है। मई में कंपनी ने इंडोनेशिया और फिजी में स्टारलिनक लॉन्च किया था। एलन मस्क के अनुसार, स्टारलिनक के साथ हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा का ऑर्डर देने के लिए किसी लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रैक्ट की जरूरत नहीं है।

सैटेलाइट-बेस्ड इंटरनेट सर्विस को द्वीप राष्ट्र में इंटरनेट सेवा देने के लिए श्रीलंका से शुरुआती मंजूरी भी मिल गई है। हालांकि, इंटरनेट सेवा को अभी तक भारत सरकार से



मंजूरी नहीं मिली है। कमर्शियल पहलू की जांच पूरी हो गई है, जिसमें फॉरेन इन्वेस्टमेंट और नेटवर्क जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया है। साथ ही, तकनीकी जरूरतों को भी देश में लाइसेंसिंग नियमों के हिसाब से परखा गया है।

## इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को बढ़ाने रोडमैप तैयार, हीरो मोटोकॉर्प खेलने जा रही बड़ा दांव: गुप्ता

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ निरंजन गुप्ता ने कहा कि कंपनी के पास अपने इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को तेजी से बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन सेगमेंट की लीडरशिप की ओर देखते हुए, हीरो मोटोकॉर्प वित्त वर्ष 2025 में किरायाती मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, जो कंपनी के पास मौजूद वीडा वी। प्रो के पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाएगा।



कंपनी की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में शेरधारकों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि कंपनी इस वित्तीय वर्ष में मध्यम और किरायाती सेगमेंट में उत्पाद लॉन्च करेगी। लॉन्च होने वाले नए प्रोडक्ट्स का मुकामला

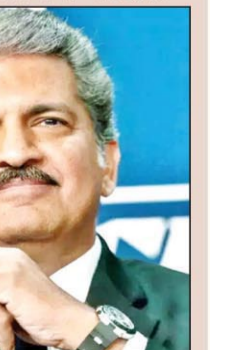
टीवीएस और ओले के किरायाती इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगा। हीरो मोटोकॉर्प की वीडा इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की कीमत 1-1.5 लाख रुपये के बीच है, जो सस्बिडी मिलने के बाद कीमत है। कंपनी ने एथर एनर्जी के साथ मिलकर वीडा ईवी के लिए भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। इसके अलावा जीरो मोटरसाइकिल के साथ साझेदारी के तहत कंपनी विदेशी बाजारों तक अपनी पहुंच बढ़ाएगी।

हीरो मोटोकॉर्प के चेरमैन पवन मुंजाल ने कहा, मैं भारत में अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक के रूप में वीडा वी। प्रो के उद्योग के देखकर विशेष रूप से प्रसन्न हूँ, और मुझे वैश्विक बाजारों में इसके भविष्य के लॉन्च की

उम्मीद है, जहां यह एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है। हीरो मोटोकॉर्प ने पहले ही अपने ईवी स्कूटर वीडा की उपस्थिति को तीन से बढ़ाकर 100 से अधिक शहरों तक कर दिया है। गुप्ता ने शेरधारकों को बताया, हमारे सीआईटी जयपुर और टेक सेंटर जर्मनी में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में सभी क्षेत्रों में एक विजयी पोर्टफोलियो बनाने के लिए इन्वेंशन चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी अधिक प्रीमियम उत्पादों को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय, सहायक उपकरण और व्यापारिक व्यवसायों को बढ़ाने की भी योजना बना रही है। बता दें कि देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर रेंज की शुरुआत की ओर बढ़ रही है।

## निजी क्षेत्र को रोजगार के लिए सरकार के साथ काम करना चाहिए: आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली। महिंद्रा समूह के चेरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि भारत के निजी क्षेत्र को रोजगार सृजन तथा युवाओं को रोजगार योग्य बनाने की दिशा में सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास के अभाव में देश का जनसांख्यिकीय लाभ, जनसांख्यिकीय आपदा में बदल सकता है। वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार रोजगार सृजन के साथ-साथ वृद्धि के महत्व को पहचानती है। आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जीडीपी में हमारी वृद्धि के मामले में हम दुनिया के लिए ईर्ष्या का विषय हैं। हमारे भविष्य को लेकर आश्चर्य होने के कारण हम निवेश के लिए दुनिया का पसंदीदा गंतव्य हैं। हमारे लिए महत्वपूर्ण कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इस वृद्धि के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी तेजी आए। महिंद्रा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित योजनाएं आशाजनक हैं। निजी क्षेत्र से भी अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए महिंद्रा ने कहा कि उर्ध्व आगे आकर रोजगार तथा रोजगार योग्यता दोनों में निवेश करके अपनी भूमिका निभानी होगी।





## भारतीय तीरंदाज तरुणदीप राय को पेरिस ओलंपिक में पदक की आस, बोले- अभी नहीं तो कभी नहीं..

नई दिल्ली।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में सिर्फ एक दिन का समय बचा है। भारत ने 117 खिलाड़ियों का दल भेजा है जिनसे देश को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। तीरंदाजी में खिलाड़ियों ने क्वालिफाई किया है, जिनमें तीन पुरुष और इतनी महिलाएं शामिल हैं। वैश्विक दुर्नामित के आगाज से पहले अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय ने पदक की उम्मीद जताई है। 140 वर्षीय राय पेरिस ओलंपिक में टीम के अनौपचारिक मेंटर के तौर पर काम कर रहे हैं। अपने चौथे ओलंपिक में हिस्सा लेते हुए उनके लिए यह

अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति है। उन्हें अपने पहले पदक की उम्मीद है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप (2005, 2019) में दो रजत, तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित नौ विश्व कप पदक, एशियाई चैंपियनशिप में दो रजत और एक कांस्य पदक जीते हैं। अभी नहीं तो कभी नहीं राय ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, हर दिन भावनात्मक होता है। यह चौथी दफा है। मेरे लिए यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति है। मैं अपने साथी तीरंदाजों से भी कहता हूँ। शायद कोई अपना पहला या दूसरा ओलंपिक खेल रहा

हो, लेकिन उसे इस तरह सोचना चाहिए कि अभी नहीं तो कभी नहीं। आपको इस तरह प्रयास करना चाहिए जैसे कि यह आपका आखिरी ओलंपिक हो।

टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी सिक्किम के अनुभवी तीरंदाज ने 2004 एथेंस, 2012 लंदन और 2021 टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था। टोक्यो में तीरंदाजी की पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी जिसमें राय भी शामिल थे। उन्होंने कहा, ओलंपिक हर खिलाड़ी का सपना होता है और मैं भी इससे अलग नहीं हूँ। इसके

लिए आपको सर्वश्रेष्ठ तैयारी करनी होती है। आपको क्वालिफाई करने और पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है। राय ने आगे कहा, इस ओलंपिक में तीन साल के अंतराल के बाद खेल रहा हूँ। कई बदलाव आये हैं जो सकारात्मक हैं। टोक्यो में जो भी कमी रह गई थी उसे दूर करना मेरा लक्ष्य है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अब तक नहीं जीता पदक भारतीय तीरंदाज 1988 में पदार्पण के बाद से नियमित रूप से ओलंपिक में हिस्सा लेते रहे हैं लेकिन अभी तक पदक नहीं जीत पाए हैं।

### न्यूज़ ब्रीफ

नीता अंबानी दूसरी बार चुनी गई आईओसी की सदस्या, 2016 में पहली बार बनी थी हिस्सा



नई दिल्ली। नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। रिलायंस फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने एक बार फिर नीता अंबानी में अपना विश्वास जताया है। उन्हें सर्वसम्मति से एक बार फिर आईओसी की सदस्या चुना गया है। उनके पक्ष में कुल 93 वोट पड़े। 2016 में रिथो डी जेनेरियो ओलंपिक खेलों में नीता अंबानी पहली बार आईओसी सदस्या चुनी गई थीं। मेरा दोबारा चुना जाना भारतीयों के लिए गर्व की बात नीता अंबानी के पक्ष में 100 प्रतिशत वोट पड़े, जिसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का सदस्य चुना गया। इस मौके पर उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ। मैं प्रेसिडेंट बाख और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर विश्वास और भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ। यह पुनर्निर्वाचन न केवल मेरे लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करना चाहती हूँ और भारत और दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के लिए मैं तैयार हूँ। नीता के नेतृत्व में बना इंडिया हाउस नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। नीता अंबानी के नेतृत्व में ही पहली बार ओलंपिक में इंडिया हाउस बनाया गया है। जो पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए भारत से दूर एक घर की तरह है।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर पेरिस ओलंपिक से हटे वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर गले में संक्रमण (टॉनिसल) के कारण



पेरिस ओलंपिक से हट गए। इटली के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉक्टर ने उन्हें उसलाह दी है कि वह ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लें। जनवरी में ऑस्ट्रेलिया ओपन के साथ अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने थे। ओलंपिक टेनिस का ड्रॉ होगा, जबकि मुकाबले शुरू होंगे। सिनर ने एटलियन में लिखा, ओलंपिक से चूकना बड़ी निराशा है क्योंकि इस सत्र में यह मेरे मुख्य लक्ष्यों में से एक था। उन्होंने लिखा, मैं इस बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता था। इससे पहले विंबलडन में सिनर को दानिल मेदवेदेव ने पांच सेट तक चले क्वार्टरफाइनल में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। मेदवेदेव ने पहला सेट गवाने के बाद वापसी करते हुए सिनर को 6-7 (7), 6-4, 7-6 (4), 2-6, 6-3 से हराया था। सिनर को इस मैच के दौरान अपने ट्रेनर से उपचार लेना पड़ा था और वह तीसरे सेट में कोर्ट से चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि सिनर को क्या हुआ था। लॉकर रूम में जाने से पहले उनकी हृदय गति की जांच भी की गई थी।

पीकेएल 11 के लिए मुंबई में होगी खिलाड़ियों की नीलामी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त को मुंबई में होगी। लीग का सफर एक दशक पहले मुंबई में शुरू हुआ था। 1 मार्च, 2024 को प्रो कबड्डी लीग के सफल 10वें सीजन को पूरा करने के बाद यह लीग 10 सीजन पूरे करने वाली भारत की दूसरी खेल लीग बन गई है। इसके अलावा, लीग के लिए नए लोगों का भी आनवरण किया गया है। लोगों में भारतीय तिरंगे के समान केसरिया और हरा रंग दिखाया गया है, जो कबड्डी के खेल को देश के गौरवशाली खेल के रूप में दर्शाता है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हो रही है। कबड्डी कई वर्षों से भारत का लोकप्रिय खेल रहा है और प्रो कबड्डी में विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी अनुशासन के रूप में मजबूती से प्रदर्शित होता है। यह प्रो कबड्डी के सभी हिस्साधारकों के साथ-साथ एफएआई की देखरेख में देश के कबड्डी से जुड़े लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

## बेटी ने पहनाया मेडल तो भावुक हुए लिएंडर पेस, मार्टिना की स्पीच ने जीता दिल

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय टेनिस स्टार लिएंडर पेस को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। उनके अलावा टेनिस प्रसारक अग्निनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज को भी इस सम्मान से नवाजा गया। इसी के साथ दोनों इस खिताब को जीतने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए।

पेस को यह सम्मान दिग्गज टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा ने दिया। दोनों ने 2003 में विंबलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के फिक्स्ट डबल्स के खिताब अपने नाम किए थे। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंततः ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कसान पिता का अनुसरण किया।

बेटी ने पहनाया मेडल

खास बात यह है कि पेस को यह मेडल उनकी बेटी ने पहनाया जिसके बाद वह भावुक हो गए। नवरातिलोवा ने पेस को सम्मानित करने के लिए उनकी बेटी अयाना को स्टेज पर आमंत्रित किया। बेटी के हाथों मेडल पहनकर भारतीय दिग्गज की आंखें नम हो गईं। इससे पहले नवरातिलोवा ने कहा, यह सच में एक सम्मान की बात है और मैं बहुत खुश हूँ कि न केवल एक बल्कि भारत के दो पुरुषों ने यह पुरस्कार जीता। पहले दो एशियाई पुरुष... जिन्होंने ऐसा किया।

नवरातिलोवा ने की तारीफ

नवरातिलोवा ने पेस की तारीफ करते हुए कहा, अद्भुत... कोलकाता से लॉन्ड पेस... 18 प्रमुख खिताब, 8 मॅस डबल्स और फिक्स्ट डबल्स, डबल्स में करियर में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले हैं। हमने साथ में दो जीते... सिंगल्स में ओलंपिक खिताब विजेता, टेनिस में एकमात्र भारतीय मेडल। 7 ओलंपिक में



खेले... खिलाड़ी और कसान के रूप में डेविस कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अब तक के सबसे ज्यादा 45 डेविस कप मैच में जीत। 37 हफ्तों तक दुनिया के नंबर-1 रहे। भारत का सर्वोच्च खेल पुरस्कार और 2014 में तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्राप्त किया, लेकिन ये सब सिर्फ नंबर हैं।

पेस बोले- कोरे लिए सम्मान की बात

पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए मैंने नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं।

पेस ने पिता की कही बातों को किया याद

पेस ने कहा, जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा करते हैं, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप सिर्फ पुरस्कार राशि और ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि आप दुनिया को प्रेरित करने के लिए ऐसा करते हैं। सात ओलंपिक में देशवासियों के लिए खेलना, उन सभी डेविस कप में राष्ट्रगान के लिए खड़े होना और यह साबित करना कि

हम एशियाई ग्रैंडस्लैम जीत सकते हैं और अपने क्षेत्र में नंबर एक भी बन सकते हैं मेरे लिए सम्मान की बात थी।

पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेस करियर ग्रैंडस्लैम भी जीत चुके

पेस ने पुरुष और मिश्रित युगल दोनों में करियर ग्रैंड स्लैम जीते। उन्होंने 2012 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पुरुषों में और 2016 फ्रेंच ओपन पर कब्जा करके मिश्रित में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनका एकमात्र एटीपी एकल खिताब 1998 में न्यूपोर्ट घास पर उसी स्थान पर आया था जहां उन्हें शामिल किया गया था।

## विराट ओर गंभीर बेहद उर्जावान, ड्रेसिंग रूम साझा करते ही बनेगा समन्वय: नेहरा

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि बल्लेबाज विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर काफी उर्जावान हैं और इन दोनों में किसी प्रकार के मतभेद नजर नहीं आते। जैसी की धारणा बनायी जा रही है। नेहरा ने कहा कि ये दोनों ही बेहद अनुभवी हैं और जैसे ही ये ड्रेसिंग रूम साझा करना शुरू कर देंगे, इनमें समन्वय बनने लगेगा। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम का कोच पद संभालने जा रहे हैं। वहीं कोहली एकदिवसीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहेंगे। पिछली बार आईपीएल के दौरान दोनों के बीच मैदान पर बहस हुई पर इस बार के सत्र में दोनों उत्साह के साथ मिले थे। इससे साफ है कि दोनों में अब कोई मतभेद नहीं है।

नेहरा ने कहा, विराट और गंभीर दो बहुत ही उत्साह से भरे लोग हैं। जब भी वे किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो वे विपक्षी टीम के खिलाफ पूरी ताकत लगा देते पर जब वे ड्रेसिंग रूम में साथ होते हैं, तो वे टीम के लिए एकजुट होते हैं। विराट के पास करीब डेढ़ दशक का अनुभव है। वहीं गंभीर भी बेहद अनुभवी हैं। ऐसे कई खिलाड़ी हैं



जिनके बीच पहले भी मैदान पर झगड़े हुए हैं पर जब वे किसी टीम के लिए साथ खेलते हैं, तो वे एक खिलाड़ी, कोच-कसान, कोच और सीनियर खिलाड़ी के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। नेहरा ने यह भी कहा कि गंभीर हमेशा स्पष्ट और पारदर्शी रहते हैं और हमेशा अपनी बात सामने रखते हैं, ये काफी अच्छी बात है। जहां तक कोचिंग का सवाल है हर किसी की अपनी शैली होती है, कोच, कसान और खिलाड़ी के साथ काम करने की। मुझे इन दोनों के साथ कोई समस्या नहीं दिखती।

## 36 साल के गेंदबाज ने बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड, जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी जैसे खूंखार बॉलर्स बहुत पीछे छूटे

नई दिल्ली।

ओमान टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज बिलाल खान ने नामीबिया के खिलाफ वनडे प्रारूप में इतिहास रच दिया। 36 साल के बिलाल खान वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में एक मेडन सहित 50 रन देकर तीन विकेट झटके। बिलाल खान ने अपने वनडे करियर के 49वें मैच में सबसे तेज 100 विकेट लेने का कमाल किया। उन्होंने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा। पाता हो कि किसी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे तेज 100



वनडे विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अब बिलाल खान के नाम दर्ज हो गया है।

- 54 - मुस्ताफिजुर रहमान (बांग्लादेश)
- 55 - ब्रेट ली (ऑस्ट्रेलिया)
- 56 - ट्रेट वोल्ट (न्यूजीलैंड)
- 56 - मोहम्मद शमी (भारत)
- 57 - जसप्रीत बुमराह (भारत)
- 57 - मैट हेनरी (न्यूजीलैंड)

संदीप लामिछाने के नाम दर्ज है

बुमराह (57) ने 100 विकेट का आंकड़ा पार किया था।

सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज

रिकॉर्ड - पाता हो कि नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने के नाम वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। लामिछाने ने केवल 42 मैच में 100 विकेट का आंकड़ा पार किया। वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के अनुभवी लेग स्पिनर राशिद खान मौजूद हैं। राशिद ने 44 मैचों में विकेटों का शतक पूरा किया था।

ओमान ने जीता मैच - बता दें कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में ओमान और नामीबिया के बीच 17वां मुकाबला खेला गया। डुंडी में खेले गए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करके 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 196 रन बनाए। जवाब में ओमान ने 5 गेंदें शेष रहते 4 विकेट से मैच जीत लिया।

## पहले मैच में ब्रिटेन की हर्से से भिड़ेंगी मनिका, शरत कमल का स्लोवेनिया के कोजुल से होगा सामना

पेरिस।

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी

और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता

मनिका बत्रा महिला एकल के

शुरुआती दौर में ब्रिटेन की अब्ना हर्से से

भिड़ेंगी, जबकि अनुभवी पुरुष खिलाड़ी

अर्चना शरत कमल स्लोवेनिया के डेनी

कोजुल के सामने होंगे। ड्रॉ की घोषणा

हुई। मनिका को 18वीं वरीयता मिली है

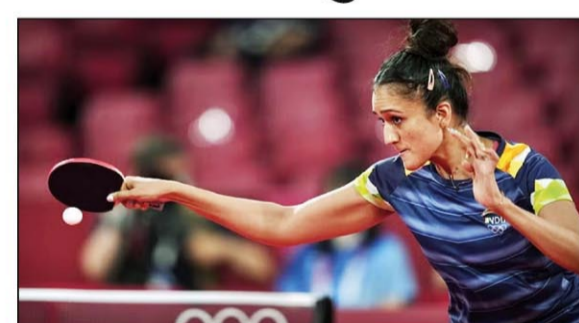
और यह उनका लगातार तीसरा

ओलंपिक है। वह 2021 टोक्यो

ओलंपिक में एकल में राउंड 32 में

पहुंचने वाली भारत की पहली महिला

टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।



पुरुष एकल में हरमीत देसाई का सामना पहले दौर में जॉर्डन के अबो यमन से होगा जबकि 25 साल की श्रीजा अकुला (16वीं वरीय) महिला वर्ग में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टिना कालबर्ग के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल भारत के टेबल टेनिस दल की अगुआई कर रहे हैं जिसमें 41 साल का यह खिलाड़ी ओलंपिक में पांचवीं दफा खेलने उतरेगा। जी साथियान मुख्य टीम में जगह नहीं बना सके जिससे उन्हें 'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर

पर चुना गया है। वह 2018 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पुरुष टीम के सदस्य रह चुके हैं। महिलाओं की टीम स्पर्धा के शुरुआती मुकाबले में 11वीं वरीयता प्राप्त भारत का सामना चौथी वरीय रोमानिया से होगा। जीतने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी। हाल में मनिका अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंची थीं। मनिका और श्रीजा के अलावा महिला टीम की तीसरी सदस्य अर्चना कामत हैं। अर्चना मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी हैं। भारतीय पुरुष टीम में शरत कमल, मानव ठक्कर और राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत शामिल हैं जिसका सामना शुरुआती दौर में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज चीन से होगा। पेरिस ओलंपिक में पहली बार भारत टीम स्पर्धा में हिस्सा लेगा। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला टीम स्पर्धा में 2008 बीजिंग ओलंपिक में शुरु की गई थीं।

तुषारा श्रीलंका की टी20 सीरीज से बाहर; मधुशंका को प्रतिस्थापन नामित किया गया

कोलंबो। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा बाएं अंगुठे में फ्रेंचर के कारण भारत के खिलाफ श्रीलंका की आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने उनके प्रतिस्थापन के रूप में दिलशान मधुशंका को नामित किया है। एसएलसी ने अपने बयान में कहा कि तुषारा को पल्लेकेली में अग्र्यास के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं अंगुठे में चोट लग गई। इसमें कहा गया है कि प्राप्त मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि खिलाड़ी के बाएं अंगुठे में फ्रेंचर है। तुषारा इतने दिनों में बाहर होने वाले दूसरे श्रीलंकाई तेज गेंदबाज हैं, दुष्मन्त चमीरा को ब्रोकवैटिस और शरवन्त संक्रमण से अभी भी उबरने के कारण श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था, उनके प्रतिस्थापन के रूप में अस्थिर फर्नांडो को नामित किया गया था। तुषारा, जिन्होंने अपने रिलीफिंग बॉलिंग एक्शन से तस्कला मचा दिया था, जून में पुरुष टी20 विश्व कप में श्रीलंका के लिए कुछ आशाजनक स्थानों में से एक थे, जिन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए थे। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने बंगलादेश के खिलाफ 5-20 के आंकड़े हासिल करके हुए टी20 हेट्रिक भी ली थी। भारत अपने श्रीलंका दौरे की शुरुआत 27 और 28 जुलाई को लगातार टी20 मैचों के साथ करेगा, जिसके बाद 30 जुलाई को तीसरा मैच खेला जाएगा। इसके बाद परिदृश्य कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में स्थानांतरित हो जाएगा, जहां 2, 4 और 7 अगस्त को क्रमशः तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।



# पता हैं डाइनिंग टेबल पर खाना खाने के कायदे?

डाइनिंग टेबल पर बैठकर खाना तो हम सभी खाते हैं लेकिन जैसे हमें सुविधा होती है, उसी तरह। कम ही लोग डाइनिंग टेबल से जुड़े सारे नियम फॉलो करते हैं। हालांकि बचपन में सिखाया हम सभी को जाता है लेकिन बड़े होने के साथ ही हम ये कायदे भूलते जाते हैं।

अइसेस होम के क्रिएटिव डायरेक्टर और फाउंडर रजत सिंघो ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कुछ ऐसे ही बातें बताई हैं, जिन्हें डाइनिंग टेबल पर बैठने के दौरान फॉलो करना चाहिए। ये नियम सिर्फ उस वक़्त के लिए नहीं हैं जब हम घर के बाहर खाना खा रहे हों, घर की मेज पर बैठकर भी हमें ये कायदे-कानून फॉलो करने चाहिए।

## 1. बैठने का सलीका

डाइनिंग चेंबर का चुनाव खुद कभी न करें। जब आपको होस्ट आपको कुर्सी पर बैठने का इशारा करे तभी कुर्सी पर बैठें। या फिर पूछ लें कि क्या मैं यहाँ बैठ सकता या सकती हूँ।

## 2. टेबल नैपकिन

जब हम बैठकर खाना खा रहे होते हैं तो टेबल नैपकिन को अपनी गोद में बिछा लेते हैं। खाना खाने के बाद हम हाथ और मुँह साफ करके नैपकिन को टेबल पर रख देते हैं, बिना यह देखे कि कुछ लोग अभी भी खाना खा रहे हैं। नैपकिन को टेबल पर रखने से पहले इस बात का खयाल रखना जरूरी है कि सारे लोग खाना खा चुके हों।

## 3. खाना सर्व करने का तरीका

होस्ट को खाना सर्व करने की शुरुआत करनी चाहिए। जब एक प्लेट में एक डिश सर्व कर दी जाए तो उसे क्लॉक वाइज आगे बढ़ाना चाहिए।

## 4. चम्मच और चाकू पकड़ने का सही तरीका

फोर्क हमेशा बाएँ हाथ में पकड़ना चाहिए।

चाकू दाएँ हाथ में और प्लेट से एक इंच की दूरी बनाकर।

## 5. कब करें खाने की शुरुआत

खाना तब तक शुरू नहीं करना चाहिए जब तक कि सभी मेहमानों की प्लेट में खाना सर्व न हो जाए। अगर डिनर फॉर्मल है तो होस्ट की घोषणा का इंतजार करना चाहिए।



## बेस्ट फ्रेंड की शादी में क्या पहनें? है दुविधा, तो बॉलीवुड अदाकारों से लें टिप्स

एथनिक लुक के लिए शादी-ब्याह से बढ़िया मौका हो ही नहीं सकता. त्योहारों में भले ही हम जींस-टॉप पहन कर काम चला लें, लेकिन बेस्ट फ्रेंड की शादी में ऐसी 'गुस्ताखी' करने की सोचना भी पाप है. अगर आपने पसूनन अवतार से बोर हो चुकी हैं और अबकी बार लेटेस्ट ट्रेडिशनल लुक ट्राई करना चाहती हैं, तो बॉलीवुड की इन हिरोइनों से स्टाइल टिप ले सकती हैं...

फैशन जर्नली: शादी-ब्याह जैसे खास मौकों पर अब लोग हीरे या सोने का गहना पहनने की बजाय फैशन ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं. ये किफायती भी होते हैं और आकर्षक भी. इनके साथ आप नीले, हरे, ऑफ व्हाइट या काले रंग का परिधान पहन सकती हैं. आमतौर पर लोग शादी के फंक्शन में चटक रंगों को तर्जिह देते हैं. लेकिन फैशन जर्नली की बदौलत इन रंग के परिधानों में भी विलिंग फैक्टर जोड़ी सकती हैं. तो इस बार लीक से हटकर कुछ ट्राई करें और ट्रेंड सेटर बनें.

शिफॉन साड़ी: अगर आप ये सोचकर कंपसून हो रही हैं कि ऐसा क्या पहना जाए जिसमें आप सिंपल भी लगे और शादी-ब्याह के 'ड्रेस कोड' को फॉलो भी कर लें, तो आपकी समस्या का हल बॉलीवुड की 'फैशन वाइल्ड' सोनम कपूर ने पहले ही सुझा दिया है. जिस तरह उन्होंने फिल्म 'प्रेम रतन धन पापों' में बेज और पेटेल रंग की साड़ियों और बिना किसी भारी भरकम ज्वेलरी के रॉयल लुक को पेश किया, वो बेशक काबिले तारीफ है. आप भी अच्छी सी शिफॉन साड़ी चुनें और साथ में हल्की डिजाइन वाली डायमंड ज्वेलरी पहनें. फिर मजाल है कि किसी की नजर 'दूढ़े की सालों' से हट जाए!

रेड्रो हेयरस्टाइल: जिस तरह फिल्म जुबैदा में करिश्मा कपूर ने तरह तरह की बेहतरीन हेयरस्टाइल्स से अपने लुक को निखारा और रजवाड़ों की हाई सोसाइटी पार्टीज का फैशन दिखाया, उसे देखे कोई भी कह सकता है कि सिंपल रहते हुए भी कोई दिलकश, टूटी और स्टाइलिश लग सकता है. अगर आपके पास कोई स्टेटमेंट ज्वेलरी या डायमंड सेट न हो, न ही आप नाट कपड़ों में पैसे खर्च करना चाहती हैं, तो भी आप 'वेडिंग रेडी' हो सकती हैं. बस मां या दादी मां की अलमारी से कोई सजीली सी साड़ी पहनें, रेड्रो हेयरस्टाइल बनाएं, ब्रॉच लगाएं और हो गई आप तैयार!

## मॉर्निंग में प्रदूषण से बचाव के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

दिल्ली में इस बार प्रदूषण पिछले 17 सालों में सबसे खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हवा में धुंध और धूल के कण मानक से अधिक बढ़ जाने की वजह से धुंध बढ़ने की समस्या हो रही है। खासकर सुबह के समय प्रदूषण लेवल खतरनाक स्तर पर होता है और मॉर्निंग कॉक के समय कई तरह की समस्या आने लगती हैं। प्रदूषण मानक से अधिक होने के कारण सांस फूलने की दिक्कतें, कोल्ड, साइनस, आंखों में जलन, पानी आना और सर दर्द की समस्या हो रही है। वायु प्रदूषण की वजह से अस्थमा, सांस और माइग्रेन से पीड़ित लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। ऐसे में घर से बाहर निकलने से पहले आंखों का बचाव करना बेहद जरूरी हो गया है। वायु प्रदूषण की वजह से सुबह से शाम तक धुंध छाई रहती है। डॉक्टर की सलाह लेने के अलावा आप प्रदूषण से अपनी आंखों, बालों और त्वचा को बचाने के लिए ये उपाय आजमा सकते हैं। यहाँ हम आपको बता रहे हैं कुछ घरेलू नुस्खे जिन्हें आप प्रदूषण से बच सकते हैं:



से भी त्वचा को प्रदूषण से बचाया जा सकता है।

5. खरास या खुजली होने पर कपूर को कोकोनट ऑयल में मिलाकर लगाएं तो लाभ होगा।

6. धांस लेने में तकलीफ महसूस होने पर सोंठ, काली मिर्च व पीपल का पाउडर एक ग्राम शहद के साथ लें तो लाभ होगा।

7. दही, मट्ठा, कोल्ड ड्रिंक, बर्फ, फ्रिज का पानी इत्यादि का सेवन बिल्कुल न करें।

8. सोते समय हल्दी व सोंठ को दूध में उबालकर पिंपें। यह एंटी एलर्जिक, एंटी बायोटिक व एंटी टॉक्सिक का काम करता है। इससे ढेर सारी बीमारियां दूर भागती हैं।

9. तुलसी, दालचीनी की चाय लेने पर कफ एवं वात-पित्त दोष में राहत मिलती है।

10. चेहरे के स्किन को बचाने के लिए लौंग और पुदीने की पत्तियों का पैक बनाएं और इसे चेहरे पर 15-20 मिनट लगाएं। इससे स्किन को काफी हद तक राहत मिलेगी।

11. नीम और तुलसी पैक: प्रदूषण से बालों को

बचाने के लिए एक चम्मच चंदन पाउडर, हल्दी, तुलसी और नीम की पत्तियों को मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे 15-20 मिनट तक लगाएं।

12. प्रदूषण से बचने के लिए आधे कप गर्म पानी में एक कप ताजा नारियल का पानी डालें। आप इसमें त्रिफला जूस भी मिला सकते हैं। आपकी बाँड़ी के लिए डिटॉक्स ड्रिंक तैयार है।

13. केला, बादाम दूध और शहद के मिक्सर को सुखे बालों पर लगा लें और शॉवर कैप पहन लें। इस मिक्सर को 20-25 मिनट तक बालों में लगाकर बाल धो लें।

14. अंडा और केस्टर ऑयल को मिलाकर एक मिश्रण बना लें। इसे बालों में 15-20 मिनट तक मसाज करें। इससे बाल मजबूत होते हैं।

15. गुनगुने पानी में नींबू डालकर पीने से खांसी में आराम मिलता है। एक गिलास उबलते हुए पानी में एक नींबू और शहद मिलाकर रात को सोते समय पीने से जुकाम में फायदा होता है।

## ऐसे किया जा सकता है भगवान विष्णु को प्रसन्न



मान्यता है कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को शास्त्रों के अनुसार विष्णु भगवान से तुलसी का विवाह किया जाता है। भगवान विष्णु को तुलसी बेहद प्रिय है। तुलसी को अर्पित करके

भगवान विष्णु को प्रसन्न किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार तुलसी के पत्ते कुछ खास दिनों में नहीं तोड़ने चाहिए। ये दिन हैं एकादशी, रविवार और सूर्य या चंद्र ग्रहण काल।

अनावश्यक रूप से तुलसी के पत्ते तोड़ना, तुलसी को नष्ट करने के समान माना गया है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग शाम के समय तुलसी के पास दीपक लगाते हैं, उनके घर में महालक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। कार्तिक माह में तुलसी का पूजन विशेष माना गया है। कार्तिक माह में सूर्योदय से पूर्व स्नान कर तुलसी पर जल चढ़ाने से परिवार में प्रेम-शांति, घर में धन आदि हमेशा बनी रहती है। अगली स्लाइड में पढ़ें लाभ:

भगवान विष्णु को तुलसी चढ़ाने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि और वैभव बढ़ता है।

कार्तिक मास की देवउत्थनी एकादशी को तुलसी की पूजा करने से जिन लोगों की शादी में रुकावटें आ रही हैं वो दूर होती हैं।

मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा को भगवान विष्णु को तुलसी चढ़ाने का फल दस हजार गोदान के बराबर माना गया है।

## तुलसी के पौधे को घर में लगाने के होंगे ये फायदे



इस आलेख में दी गई जानकारी पर हम दावा नहीं करते कि यह सत्य, सही और सटीक है, इसे किसी विशेषज्ञ सलाह के रूप में न लें। इस आलेख में दी गई जानकारी जनरल को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

## लाल टमाटर खाने के ये फायदे आपको चौंका देंगे

टमाटर सब्जी के स्वाद को तो बढ़ाता है ही, साथ ही सेहत भी फिट रखता है। टमाटर एंटीऑक्सिडेंट्स का खजाना है। इसमें कई तरह के लवण पाये जाते हैं और यह विटामिन सी का भी अच्छा स्रोत है लेकिन यह जानना बेहद जरूरी है कि कौन से टमाटर फायदेमंद होते हैं और कौन से नुकसानदेह। आमतौर पर हम बाजार से अधपके टमाटर ही खरीद कर लाते हैं। हमारी सोच होती है कि अधपके टमाटर लंबे समय तक काम आएंगे जबकि पूरी तरह पके टमाटरों को तुरंत ही इस्तेमाल करना होगा, वरना वे खराब हो जाएंगे। यह सोच इस्तेमाल के नजरिए से ठीक हो सकती है लेकिन सेहत के नहीं। सेहत के लिए तो लाल टमाटर ही फायदेमंद होते हैं। ऐसे में अब आप जब भी टमाटर खरीदें, चुनकर लाल ही खरीदें।

## सावधान! एयर पोल्यूशन से दिल ही नहीं दिमाग को भी गंभीर खतरा

पिछले 7 दिनों से देश की राजधानी दिल्ली गंभीर वायु प्रदूषण का सामना कर रही है। आपको बता दें कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार हर साल दुनिया भर में करीब 70 लाख लोग सिर्फ वायु प्रदूषण के चलते अकाल मौत मर रहे हैं। वायु प्रदूषण से दिल और सांस की बीमारियों के अलावा आपके दिमाग को गंभीर खतरा है। सितंबर महीने में ब्रिटेन के लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक रिसर्च के अनुसार वायु प्रदूषण से दिमाग भी प्रभावित होता है। अभी तक वायु प्रदूषण के कारण दिल और सांस की बीमारी के बारे में पता था। इस रिसर्च के अनुसार दिमाग के नमूने में वायु प्रदूषण के लाखों कण मिले, जिससे दिमाग को खतरा हो सकता है। इससे दिमाग के क्षतिग्रस्त होने की प्रबल आशंका है। इस रिसर्च के अनुसार इंसानी दिमाग में पाये गये ज्यादातर मैग्नेटाइट, जो चुंबकीय आयरन ऑक्साइड का कपाउंड होता है, वायु प्रदूषण की देन हैं। रिसर्च में कहा

गया है कि सांस के माध्यम से शरीर में पहुंचने वाले प्रदूषण के कणों का बड़ा भाग तो श्वास की नली में जाता है लेकिन इसका एक छोटा हिस्सा नर्व फाइबर (स्नायु तंत्र) से होते हुए दिमाग में भी पहुंचता है। रिसर्च से पता चला कि मैग्नेटिक प्रदूषण कण दिमाग में पहुंचने वाली आवाजों और संकेतों को रोक सकते हैं, जिससे अल्जाइमर जैसी बीमारी हो सकती है। हालांकि अल्जाइमर के साथ इसके जुड़े होने की पुष्टि अभी पूरी तरह से नहीं हुई है। डब्ल्यूएचओ की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 80 फीसदी शहरी आबादी वाले इलाकों में एयर क्वालिटी स्वास्थ्य मानकों पर खरा नहीं उतरती है। कई सारे शोध यह कहते हैं कि वायु प्रदूषण के चलते हर साल लाखों समय अकाल मौत मरते हैं। इसके अलावा प्रेग्नेंट महिलाओं भी इससे प्रभावित होती है। एक रिसर्च के अनुसार अमेरिका में हर साल वायु प्रदूषण के चलते 16 हजार बच्चे समय से पहले ही पैदा होते हैं।



## वायु प्रदूषण से दिल के दौरा का खतरा

आपको बता दें कि वायु प्रदूषण के साथ सांस प्रणाली, दिल और दिमाग का दौरा जैसी बीमारियों की वजह से होने वाली बीमारियों का सीधा संबंध जुड़ा हुआ है। अत्यधिक प्रदूषण जिसमें पीएम 2.5 की अत्यधिक मात्रा हो उसके संपर्क में आने से डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। इस बारे में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मानद महासचिव पद्मश्री डा. के.के. अग्रवाल का कहना है कि थोड़े समय के लिए कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन डायऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड जैसे प्रदूषण कारकों के संपर्क में रहने से दिल के दौरा का खतरा बढ़ जाता है। यह खतरा 0.6 से लेकर 4.5 फीसदी तक आबादी को प्रभावित कर सकता है।

